अपना शहर अपना खबर

वर्ष :-2
अंक:-29
23, फरवरी,2026
सोमवार

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

राजगीर नेचर व जू सफारी में पर्यटकों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए टिकट सीमा दोगुनी,

पर्यटन सुविधाओं के बड़े विस्तार की घोषणा,अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में उभरता राजगीर

संजय कुमार/अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना चुका राजगीर अब देश-विदेश के पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बनता जा रहा है। लगातार बढ़ती पर्यटक संख्या को देखते हुए राज्य सरकार ने नेचर सफारी और जू सफारी की टिकट संख्या प्रतिदिन 1000 से बढ़ाकर 2000 करने का निर्णय लिया है। यह घोषणा वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने राजगीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण करने के बाद प्रेस वार्ता में की।

उन्होंने बताया कि राजगीर पर्यटन और वन विभाग दोनों के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है और सरकार इसे राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन मॉडल के रूप में विकसित करने के लिए कई नई योजनाओं पर काम कर रही है।

20 करोड़ का वार्षिक राजस्व, तीन लाख पर्यटक

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि पिछले एक वर्ष में नेचर सफारी और जू सफारी से लगभग 20 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो इस परियोजना की लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है। इसी अवधि में करीब तीन लाख पर्यटक सफारी का आनंद ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि टिकटों की संख्या बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य पर्यटकों को लंबी कतार और प्रतीक्षा से राहत देना है ताकि अधिक लोग सुविधाजनक तरीके से सफारी का अनुभव कर सकें।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें बेहतर अनुभव देना है। इसी के तहत परिवहन, ठहराव, सुरक्षा, नेटवर्क और मनोरंजन सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जाएगा।

नई सुविधाएं: गेस्ट हाउस, वाई-फाई और चौड़ी सड़कें

पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नेचर सफारी परिसर में 50-50 कमरों के दो आधुनिक गेस्ट हाउस बनाए जाएंगे। इसके अलावा वेटिंग हॉल, कैफेटेरिया और विश्राम स्थल की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि परिवार सहित आने वाले पर्यटक आराम से समय बिता सकें।

जंगल क्षेत्र में नेटवर्क समस्या को दूर करने के लिए फ्री वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। साथ ही 20 स्थानों पर वाटर कूलर लगाए जाएंगे। जंगल तक जाने वाली सड़कों का चौड़ीकरण कर पाथवे बनाया जाएगा ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम हो सके।

बच्चों और परिवारों के लिए विशेष इंतजाम

ग्लास ब्रिज आकर्षण का प्रमुख केंद्र है, क लेकिन छोटे बच्चों के लिए पहले आयु सीमा अधिक थी। अब 5 वर्ष की जगह 4 वर्ष तके बच्चों को भी ब्रिज पर जाने की अनुमति होगी। 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए महिला गाइड की देखरेख में अलग व्यवस्था की जाएगी ताकि अभिभावकों को परेशानी न हो।

सफारी में चलने वाली बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी और सभी बसों में एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी, जिन पर मार्ग, दूरी और स्थल की जानकारी दिखाई जाएगी। इससे पर्यटकों को सफर के दौरान ज्ञानवर्धक अनुभव मिलेगा।

शाम 5 बजे के बाद भी रहेगा मनोरंजन

आनंद किशोर ने बताया कि शाम 5 बजे के बाद क्षेत्र अपेक्षाकृत शांत हो जाता है और पर्यटक होटल लौट जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए वेणुवन में शाम 5 से रात 9 बजे तक लेजर लाइट शो, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बच्चों की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिससे पर्यटक देर शाम तक मनोरंजन का आनंद ले सकें।

इसके अलावा घोड़ा कटोरा क्षेत्र में चिल्ड्रेन पार्क, कैफेटेरिया और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का विकास किया जाएगा। वहीं वैभारगिरि जैन मंदिर जाने वाले पर्यटकों के लिए गाइडेड टूर की सुविधा शुरू की जाएगी ताकि वे ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व को समझ सकें।

पार्किंग, परिवहन और सुरक्षा में सुधार

राजगीर में वर्तमान में सात स्थानों पर अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था है, जिसे एकीकृत कर एक बड़ा पार्किंग हब बनाने पर विचार किया जा रहा है। इससे यातायात सुचारु होगा और पर्यटकों को वाहन खड़ा करने में परेशानी नहीं होगी।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए जंगल क्षेत्र में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी और निजी स्टाफ के लिए मेडिकल सुविधा विकसित की जाएगी। जू सफारी स्थित पशु अस्पताल को भी आधुनिक उपकरणों से अपग्रेड किया जाएगा।

पर्यटकों की सहायता के लिए जू सफारी गेट के पास दो एटीएम और "वन मित्र" काउंटर स्थापित किए जाएंगे, जहां आगंतुक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। पर्वत दर्शन के लिए इस्तेमाल होने वाली पालकियों को बाजार क्षेत्र से हटाकर पर्वत के समीप निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित किया जाएगा।

परिवहन सुविधा को बेहतर बनाने के लिए ओवरब्रिज से होते हुए राजगीर गंगाजलाशय मार्ग को फोरलेन करने का निर्देश पथ निर्माण विभाग को दिया गया है। इससे पर्यटन सीजन में जाम की समस्या कम होगी और यात्रा समय घटेगा।

निरीक्षण के दौरान डीएफओ राजकुमार एम., जू सफारी निदेशक रामसुंदर एम., रेंजर श्याम पांडेय, रेंजर ऋषिकेश सहित वन विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू कर राजगीर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा।

समग्र रूप से, सरकार की नई योजनाएं यह संकेत देती हैं कि राजगीर आने वाले वर्षों में देश के प्रमुख इको-टूरिज्म और एडवेंचर पर्यटन केंद्रों में शामिल हो सकता है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, आधुनिक सुविधाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनोखा संगम पर्यटकों को आकर्षित करेगा

चहारदीवारी व नाला निर्माण से जलजमाव समस्या होगी खत्म: -डॉ. सुनील कुमार

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत रहुई नगर पंचायत स्थित रहुई उच्च विद्यालय में गेट युक्त चहारदीवारी तथा बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र में पहाड़ी तिराहा से कुशवाहा धर्मशाला तक प्रबलित सीमेंट कंक्रीट नाला निर्माण कार्य का शुभारंभ 22 फरवरी को स्थानीय विधायक डॉ. सुनील कुमार द्वारा किया गया। इन दोनों योजनाओं पर क्रमशः लगभग 58 लाख रुपये तथा 1 करोड़ 81 लाख 64 हजार 474 रुपये की लागत आएगी। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र की दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

शुभारंभ समारोह में विधायक डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि चुनाव के दौरान क्षेत्रवासियों ने जलनिकासी की गंभीर समस्या से उन्हें अवगत कराया था। लोगों की मांग और आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने संबंधित विभाग को योजना की अनुशंसा की, जिसके फलस्वरूप आज निर्माण कार्य प्रारंभ हो सका। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नाला निर्माण पूरा होने के बाद छोटी पहाड़ी, बड़ी पहाड़ी, मानसून नगर तथा कुशवाहा धर्मशाला आसपास के इलाकों में जलजमाव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी और नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

विधायक ने कहा कि वे लगातार अपने विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर समस्याओं का निरीक्षण करते रहते हैं। जहां भी उन्हें मूलभूत सुविधाओं की कमी दिखाई देती है, वहां तत्काल योजना बनाकर समाधान कराने का प्रयास करते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि बड़ी पहाड़ी स्थित फिटनेस पार्क जाने वाले मार्ग के निर्माण की अनुशंसा भी की जा चुकी है, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।

उन्होंने आगे बताया कि पहाड़ पर मंदिर निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है। इसमें सभी वर्गों के लोगों से स्वेच्छा से सहयोग लिया जाएगा, ताकि सामूहिक सहभागिता से धार्मिक स्थल का समुचित विकास हो सके। क्षेत्र को पर्यटन और आस्था का केंद्र बनाने के उद्देश्य से लगभग 20 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा स्थापित करने की भी योजना है।

डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि नगर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत 11 विभिन्न विकास योजनाओं की अनुशंसा की गई है, जिनमें से कई योजनाओं का कार्य क्रमशः पूरा किया जा रहा है। बड़ी पहाड़ी से मुगल कुआं तक सड़क निर्माण कार्य भी कराया जा चुका है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिली है। उन्होंने बताया कि चुनाव के समय महिलाओं ने पहाड़ी क्षेत्र में पेयजल संकट की शिकायत की थी।

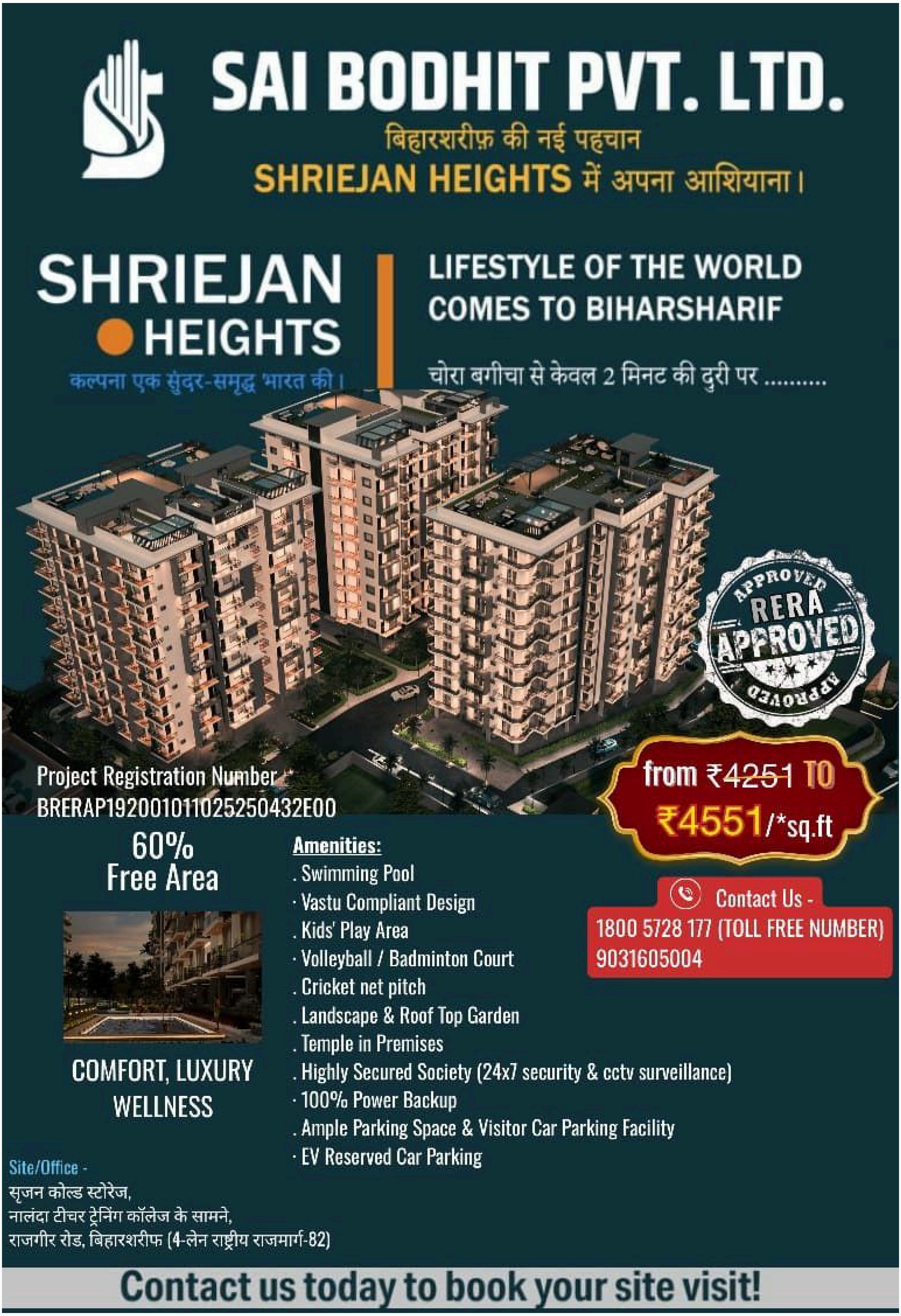
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

अति पिछड़ा अनुसूचित जाति जनजाति विकास मंच ने शुरू किया सदस्यता अभियान

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। एकंगरसराय बाजार स्थित लाल सिंह त्यागी भवन परिसर में अति पिछड़ा अनुसूचित जाति जनजाति विकास मंच की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सरपंच रामप्रवेश प्रसाद बिंद ने की। बैठक में मंच के संयोजक धर्मेंद्र चौहान ने सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत की घोषणा करते हुए बताया कि संगठन का उद्देश्य गांव-गांव जाकर अति पिछड़ा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समाज के लोगों को जोड़ना और एक मजबूत सामाजिक मंच तैयार करना है।उन्होंने कहा कि इस वर्ष 10,000 लोगों को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ताकि विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों और अधिकारों से संबंधित पहलों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। सदस्यता शुल्क सामान्य सदस्यों के लिए ₹10 तथा सक्रिय सदस्यों के लिए ₹100 रखा गया है।

बैठक में आगामी 1 मार्च को होली मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। साथ ही अप्रैल माह में ज्योतिबा फुले और डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती रैली के रूप में मनाने की योजना बनाई गई है, जिसमें सरकार के जनप्रतिनिधियों की भागीदारी की संभावना जताई गई।कार्यक्रम में मुखिया राकेश पाल, फेकू चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सतीश कुमार, शंभू चौहान, बबलू शर्मा, अविनाश कुमार, विश्राम बिंद, मोहम्मद अजीश, मत्स्य जनार्दन बिंद, सुनिल कुमार, राजू चंद्रवंशी सहित कई लोग उपस्थित

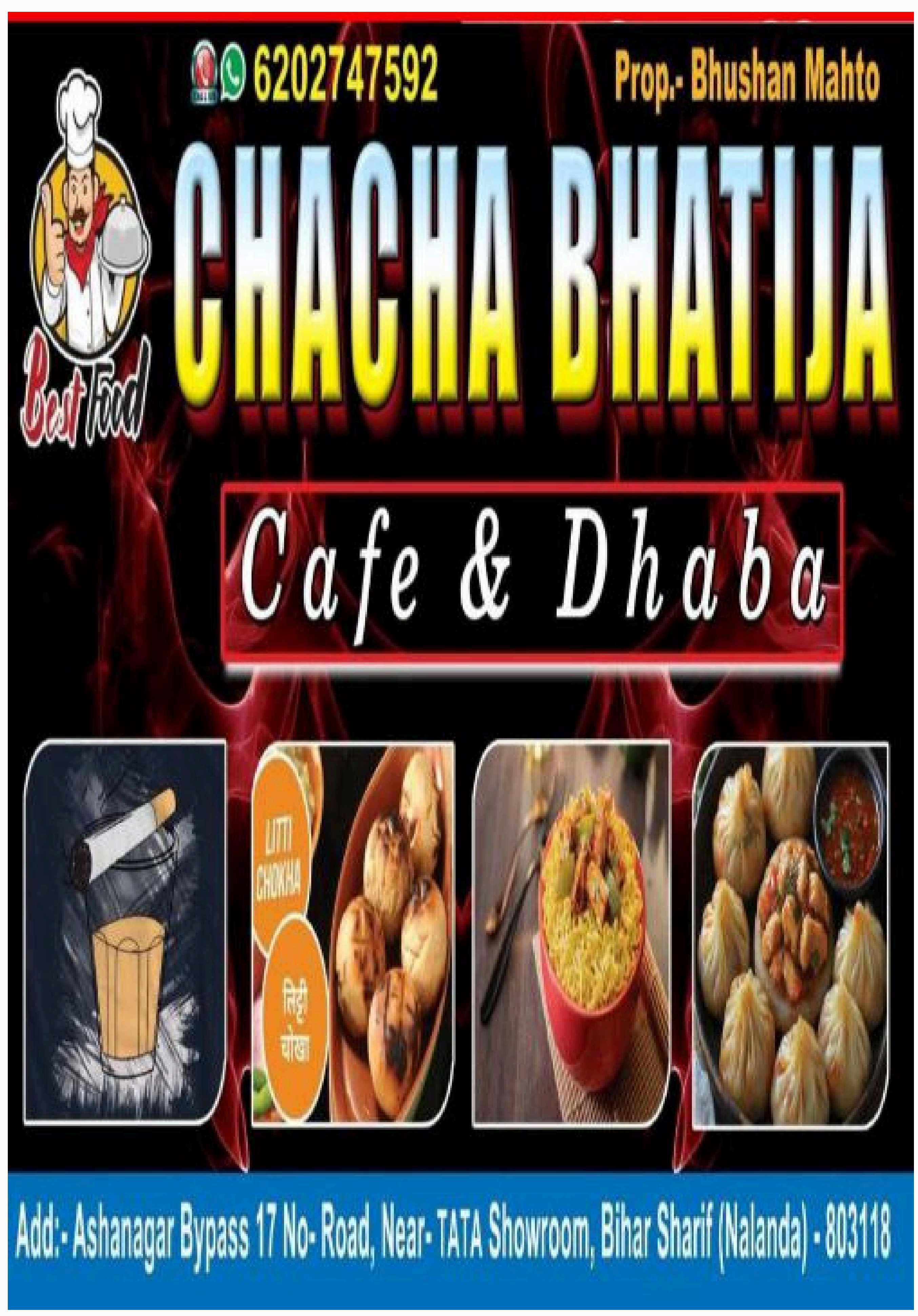

शिक्षक संघ कि बैठक में डीईओ, डीपीओ और बीईओ की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ नालंदा की जिला कार्यसमिति की बैठक रविवार को हरनौत प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय रूपसपुर परिसर में जिलाध्यक्ष रौशन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शिक्षकों से जुड़ी विभिन्न लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा जिला शिक्षा प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठाए गए।

बैठक में बताया गया कि नियोजित शिक्षकों को स्नातक ग्रेड और 12 वर्ष पूर्ण करने पर मिलने वाली कालबद्ध प्रोन्नति अब तक नहीं मिली है। इसके अलावा ईपीएफ कटौती की राशि खातों में कम जमा होने, कई प्रखंडों में सेवा पुस्तिकाओं के लंबित रहने, विशिष्ट शिक्षकों के शहरी आवास भत्ता अद्यतन नहीं होने तथा प्रधान शिक्षकों के भत्ते में वृद्धि नहीं होने जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से उठाए गए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि इन समस्याओं को लेकर संघ ने 22 सितंबर 2025 को जिला शिक्षा कार्यालय के समक्ष धरना दिया था और 27 नवंबर 2025 को अधिकारियों के साथ वार्ता भी हुई थी, जिसमें समाधान का आश्वासन मिला था। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए प्रखंड से जिला स्तर तक परेशान किया जा रहा है और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है।

संघ ने यह भी कहा कि कई प्रखंडों में एक ही बीईओ को दो-तीन प्रखंडों का प्रभार दिया गया है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। चेतावनी दी गई कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो शिक्षक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बैठक में कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

महिला रोजगार योजना से सशक्त होंगी जीविका दीदी, मंत्री ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)। श्रवण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार जो कहते हैं, वह करते हैं और सरकार की योजनाएं जमीन पर दिख रही हैं। वे नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड के कुंदी गांव में पांच लाख रुपये की लागत से बने यात्री शेड के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सांसद कौशलेन्द्र कुमार भी मौजूद रहे।मंत्री ने कहा कि महिला रोजगार योजना बिहार में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली है। डेढ़ करोड़ से अधिक जीविका दीदियों के खाते में दस-दस हजार रुपये भेजे गए हैं ताकि वे स्वरोजगार शुरू कर सकें। उन्होंने बताया कि आगे उन्हें दो-दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता भी दी जाएगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं पर लोगों का भरोसा बढ़ा है।मंत्री ने कहा कि बिहार के गांव अब शहरों से बेहतर सुविधाओं की ओर बढ़ रहे हैं। बिजली, शुद्ध पेयजल, पक्की सड़क और आधारभूत संरचना का तेजी से विस्तार हुआ है। सांसद ने भी राज्य सरकार की विकास योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि बिहार में हुए विकास कार्य अन्य राज्यों के लिए उदाहरण बन रहे हैं।कार्यक्रम में जदयू के कई स्थानीय पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा ग्रामीणों ने योजनाओं के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

आरएसएस शताब्दी समारोह में यज्ञ-सम्मेलन, धर्म-संस्कार पर दिया जोर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गौरक्षणी भराव पर परिसर में राष्ट्ररक्षा यज्ञ सह हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां मंगला गौरी मंदिर से 281 माताओं-बहनों की भव्य कलश यात्रा के साथ हुई, जो धनेश्वर घाट मंदिर पहुंचकर हवन के साथ सम्पन्न हुई। इसके बाद सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु व स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गिरधर गोपाल मुरारी सिन्हा, मुख्य वक्ता राजीव लोचन महाराज तथा विशिष्ट अतिथि ऋचा कुमारी ने संबोधन दिया। वक्ताओं ने "वसुधैव कुटुम्बकम्" के सिद्धांत को मानवता का मूल संदेश बताते हुए कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, करुणा, सेवा, संयम और राष्ट्र कर्तव्य का पालन है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि आधुनिकता अपनाएं, लेकिन अपनी सांस्कृतिक जड़ों से न कटें। जाति, भाषा और प्रांत से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

वक्ताओं ने कहा कि जब धर्म और संस्कृति पर चुनौतियां आती हैं, तब समाज को संगठित होकर ज्ञान, संस्कार और सकारात्मक सोच से उत्तर देना चाहिए।

सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने परिवारों में संस्कार बढ़ाने, सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने का संकल्प लिया। अंत में "धर्मो रक्षति रक्षितः" के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आयोजकों ने इसे सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक एकता का प्रेरक आयोजन बताया।

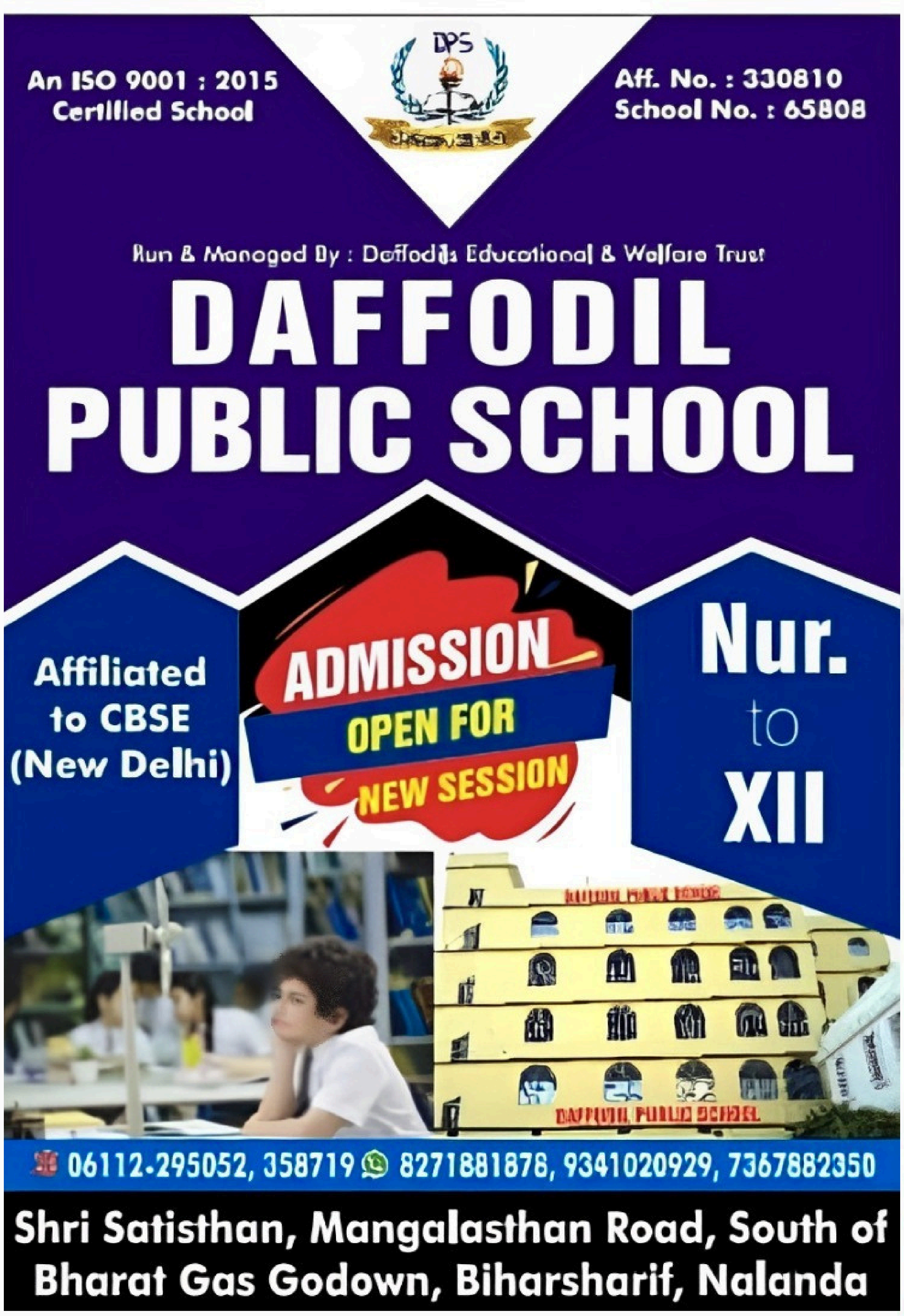

CLASSROOM POINT
BEST EDUCATION FOR BEST SCORE
VI | VII | VIII | IX | X (CBSE)
PRE NURTURE FOUNDATION FOR
NTSE | OLYMPIAD | IJSO
Phy | Chem | Maths | Bio | Eng | SST
XI | XII (CBSE/BSEB)
JEE (Mains/Adv) & NEET
Phy | Chem | Maths | Bio | Eng
New Batch Announced
for Class VI to X with foundation from
28 Jan
Session (2026-27)
Saraswati Puja
& Republic Day Offer
FREE ADMISSION
Batch Time : 4:00 PM to 6:00 PM
Our Classroom Advantage :
Expert Faculty
Weekly Scholarship
Study Material
CCTV Campus
TEST
Weekly Test
Doubts Counter
Shri Laxmi Sudama Complex
Khandakpar more, Bihar Sharif (803101)
+91 62028 19264
+91 95347 11704

ट्रैक्टर पलटने से किसान की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। दरवेशपुरा पूरब टोला स्थित तरौनी–दरवेशपुरा सड़क पर मुंशी पैन के पास बने पुल के समीप हुए दर्दनाक हादसे में एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय सतेन्द्र सिंह, पिता मुन्नी सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सतेन्द्र सिंह खेत जोतकर आंगनबाड़ी केंद्र की ओर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान वे ट्रैक्टर को बैक कर रहे थे कि अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और सीधे मुंशी पैन में जा गिरा। ट्रैक्टर पलटने से वे उसके नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की गई और मामले की जांच जारी है।इस दुखद हादसे से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है, ताकि शोकाकुल परिवार को कुछ राहत मिल सके।

मैराथन दौड़ के जरिए पुलिस ने दिया एकता, विश्वास और सुरक्षा का भरोसा

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। बिहार पुलिस सप्ताह के प्रथम दिन रविवार को थाना क्षेत्र में 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने किया, जिसमें पुलिस पदाधिकारियों, जवानों तथा स्थानीय चौकिदार-डफादारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

दौड़ में अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार, पीएसआई मुकुंद भारती, एसआई गुरुदेव खड़िया, एसआई संजय सिंह, एएसआई धर्मेन्द्र कुमार, मनीष कुमार, रुदल पासवान और संजय दास सहित कई पुलिसकर्मी शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश और ऊर्जा के साथ दौड़ लगाई, जिससे क्षेत्र के युवाओं में भी उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय तथा विश्वास कायम करना बताया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है और वे पुलिस को निर्भीक होकर सहयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-पब्लिक के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध बेहद जरूरी हैं।पुलिस सप्ताह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पुलिस जनता की सुरक्षा और सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। साथ ही सकारात्मक संवाद और साझेदारी को बढ़ावा देना ही इस अभियान का मुख्य लक्ष्य है। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया और कई लोगों ने इसे सराहनीय पहल बताया।

संपादकीय

जेपी चौधरी

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है

पिछले दिनों समाचार से दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी 2026 माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है।

दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थात् हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। मसलन यदि कोई बच्चा किसी कारणवश स्कूल से लौटने में देर कर दे, कोई व्यक्ति कुछ घंटों तक फोन संपर्क से कट जाए या कोई बुजुर्ग भटकने पर देर से घर पहुंचे तो लोग गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। ये कथित गुमशुदा लोग कुछ समय बाद घर तो लौट आते हैं, लेकिन लोग पुलिस डेटा को अपडेट नहीं करते। फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है।

बंगाल में सियासी संग्राम ममता मोर्चे पर, भाजपा को 'मजबूत चेहरे' की तलाश: चंदन चौरसिया

2021 के नतीजों ने बदली तस्वीर टीएमसी की बढ़त बरकरार, पर भाजपा का वोट प्रतिशत बना चुनौती

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। 2021 के विधानसभा चुनाव में 294 सीटों में से 213 सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था, जबकि भाजपा 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी। वोट प्रतिशत के लिहाज से भी मुकाबला दिलचस्प रहा टीएमसी को लगभग 48.5 प्रतिशत और भाजपा को करीब 38.5 प्रतिशत मत मिले। कांग्रेस और वाम दल हाशिये पर सिमट गए। लोकसभा की 42 सीटों में भी टीएमसी ने बढ़त बनाए रखी, लेकिन भाजपा का वोट शेयर उसे लगातार चुनौती देता रहा। यही कारण है कि बंगाल की राजनीति अब केवल सीटों का गणित नहीं, बल्कि जनभावनाओं, नेतृत्व और रणनीति का संग्राम बन चुकी है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने 'बंगाल बनाम बाहरी' की भावना को मजबूत करने की कोशिश की, जबकि भाजपा ने 'परिवर्तन' और 'मजबूत राष्ट्रीय नेतृत्व' के नाम पर जमीन तैयार की। ऐसे में आगामी चुनाव की आहट के साथ ही दोनों दलों ने अपनी-अपनी रणनीति तेज कर दी है। चौरसिया ने कहा कि टीएमसी के लिए सबसे बड़ी चुनौती ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई और कथित घोटालों से उपजी साख की परीक्षा है। शिक्षक भर्ती घोटाला, कोयला तस्करी और अन्य मामलों को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। हालांकि ममता बनर्जी ने इन कार्रवाइयों को 'राजनीतिक बदले की भावना' करार देते हुए इसे केंद्र बनाम राज्य की लड़ाई में तब्दील करने का प्रयास किया है। संगठनात्मक स्तर पर टीएमसी अब अधिक एक्टिव दिख रही है। ब्लॉक स्तर तक बैठकों का दौर, टिकट वितरण पर मंथन और संभावित 25-30 प्रतिशत चेहरों में बदलाव की चर्चा यह संकेत देती है कि पार्टी सत्ता विरोधी लहर को भांप रही है। दूसरी ओर भाजपा ने भी बंगाल में अपने संगठन को मजबूत करने के लिए कई राज्यों के नेताओं को मैदान में उतार दिया है। बूथ स्तर तक रणनीति, माइक्रो मैनेजमेंट और केंद्रीय नेतृत्व की रैलियों के सहारे पार्टी 'मजबूत चेहरे' की तलाश में है, जो राज्य स्तर पर ममता बनर्जी को सीधी चुनौती दे सके। भाजपा की कोशिश है कि चुनावी विमर्श को भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और हिंदू मतदाताओं के ध्रुवीकरण की ओर मोड़ा जाए, जबकि टीएमसी विकास योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण की उपलब्धियों को सामने रखकर मुकाबला करना चाहती है।चंदन चौरसिया का मानना है कि बंगाल में चुनावी लड़ाई इस बार केवल दलों के बीच नहीं, बल्कि नैरेटिव की भी होगी। क्या यह मुकाबला फिर 'दीदी बनाम मोदी' बनेगा? या भाजपा कोई ऐसा क्षेत्रीय चेहरा आगे करेगी जो राज्य की जनता से सीधा जुड़ाव बना सके? 2021 के चुनाव ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भाजपा का वोट प्रतिशत तेजी से बढ़ा है और वह मजबूत विपक्ष के रूप में स्थापित हो चुकी है, लेकिन सत्ता तक पहुंचने के लिए उसे विश्वसनीय स्थानीय नेतृत्व और जमीनी नेटवर्क की और मजबूती चाहिए। वहीं टीएमसी को अपनी छवि पर लगे दागों को धोते हुए संगठन को एकजुट रखना होगा। कांग्रेस और वाम दलों की भूमिका भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है; वे अपने अस्तित्व को बचाने के लिए गठजोड़ और नए समीकरण तलाश रहे हैं। कुल मिलाकर बंगाल की सियासत इस समय 'रणनीति बनाम रणनीति' की स्थिति में है जहां एक ओर ममता बनर्जी अपने किले को बचाने के लिए हर स्तर पर सक्रिय हैं, वहीं भाजपा 'मजबूत चेहरे' की खोज के साथ सत्ता परिवर्तन का सपना देख रही है। आने वाले महीनों में यह साफ होगा कि जनता किस नैरेटिव को स्वीकार करती है स्थानीय अस्मिता और कल्याणकारी राजनीति को या राष्ट्रीय नेतृत्व और बदलाव के वादे को। बंगाल का यह सियासी संग्राम केवल राज्य की सत्ता का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के भविष्य का भी संकेतक साबित हो सकता है।

सरमेरा में ऑर्केस्ट्रा ठिकाने पर छापा, नौ नाबालिग लड़कियां मुक्त

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली के निर्देश पर दिल्ली से आई जांच टीम और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में सरमेरा बाजार स्थित एक ऑर्केस्ट्रा अड्डे पर छापेमारी कर नौ नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया। अभियान में राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण आयोग से जुड़े अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस और बाल संरक्षण इकाई की टीम शामिल रही।

अधिकारियों के अनुसार, टीम में जांच अधिकारी अक्षय पांडेय, वीरेंद्र कुमार सिंह, सिद्धांत घोष, बाल कल्याण समिति सदस्य धनंजय कुमार, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन नालंदा के जिला प्रबंधक रंजन कुमार पाठक तथा प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के प्रतिनिधि शामिल थे। अभियान का समन्वय पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देश पर किया गया।

छापेमारी के दौरान चेरो रोड स्थित एक मकान में संचालित ऑर्केस्ट्रा स्थल से नौ नाबालिग बालिकाएं बरामद की गईं, जबकि एक महिला और एक पुरुष को हिरासत में लिया गया। सभी मुक्त कराई गई बालिकाएं उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र की बताई गई हैं। पुलिस के अनुसार, ऑर्केस्ट्रा संचालक भी उसी क्षेत्र का निवासी है।

सरमेरा थाना अध्यक्ष साकेंद्र कुमार ने बताया कि बालिकाओं को महिला पुलिस की सुरक्षा में थाने लाया गया, जहां उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया।

इसके बाद उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में संचालकों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बारात में हर्ष फायरिंग से युवती घायल, आरोपी अवैध हथियार समेत गिरफ्तार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। चण्डी थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव में 21 फरवरी की रात करीब 12:15 बजे बारात के दौरान हर्ष फायरिंग की घटना में एक युवती गोली लगने से घायल हो गई। घायल की पहचान सिवानी कुमारी, पिता मधु रविदास, निवासी दयालपुर के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सत्यापन के दौरान पता चला कि मोहम्मदपुर निवासी अवधेश कुमार ने बारात के दौरान फायरिंग की, जिसकी गोली सिवानी कुमारी के पैर में लग गई। पुलिस ने घायल युवती को तुरंत रेफरल अस्पताल, चण्डी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें घर भेज दिया।पीड़िता का बयान दर्ज करने की कोशिश की गई, लेकिन परिजनों ने थाना आकर लिखित आवेदन देने की बात कही। पुलिस के अनुसार आरोपी और पीड़िता आपस में रिश्तेदार हैं। आवेदन नहीं मिलने पर घटना की पुष्टि करने वाले पुलिस पदाधिकारी के आवेदन पर चण्डी थाना कांड संख्या 150/26 दर्ज किया गया।आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई और पुलिस ने मोहम्मदपुर गांव से अवधेश कुमार को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में अस्थावां थाना कांड संख्या 61/26 के तहत अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दैली गांव में सूर्य मंदिर प्राणप्रतिष्ठा, पांच दिवसीय अनुष्ठान में उमड़ा जनसैलाब

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के दैली गांव स्थित नवनिर्मित सूर्य मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार और भव्य धार्मिक अनुष्ठानों के बीच भगवान सूर्य की प्रतिमा का विधिवत प्राणप्रतिष्ठा संपन्न हुआ। सात अश्वों के रथ पर सवार सूर्य देव की भव्य प्रतिमा स्थापित होते ही पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखा गया। समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक हरिनारायण सिंह, जदयू जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार तथा प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मंदिर में मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।
आयोजन समिति के अनुसार धार्मिक कार्यक्रम 18 से 22 फरवरी तक चले, जिसमें 18 फरवरी को कलश शोभायात्रा, 19 को पंचांग पूजा एवं वेदी पूजन, 20 को जलाभिषेक, 21 को नगर भ्रमण तथा 22 फरवरी को प्राणप्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। नगर भ्रमण के दौरान देव प्रतिमाओं को पालकी में रखकर दैली, महेशपुर और मुसहर टोली में घुमाया गया।
मंदिर के पुजारी देवन दास ने बताया कि लगभग 30 वर्ष पहले यह स्थान सुनसान अलंग क्षेत्र था, जहां राहगीरों और पशुपालकों को पानी तक उपलब्ध नहीं होता था। वर्ष 1996 में उन्होंने कपिल राम के साथ मिलकर कुदाल से करीब दस दिनों की मेहनत से एक कुआं खोदा, जिससे लोगों की पानी की समस्या दूर हुई। उसी समय यहां सूर्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया गया। बाद में ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर का निर्माण कराया गया और दूसरे राज्य से लगभग 60 हजार रुपये की लागत से प्रतिमा मंगवाई गई।

ग्रामीणों के अनुसार इस स्थान पर वर्षों से लोक आस्था का महापर्व छठ मनाया जाता रहा है। करीब छह वर्ष पहले विधायक हरिनारायण सिंह के प्रयास से सरकारी राशि से छठ घाट का निर्माण कराया गया था। वर्ष 2025 में नेहुसा पंचायत की मुखिया मंजूषा कुमारी ने भी सरकारी फंड से घाट का विस्तार कराया। वहीं वर्ष 2026 में जिला परिषद सदस्य द्वारा चापाकल की व्यवस्था कराई गई तथा बिजली आपूर्ति शाखा हरनौत की ओर से मंदिर तक बिजली सुविधा उपलब्ध कराई गई।
ग्रामीण रविकांत कुमार शर्मा ने बताया कि आने वाले समय में यहां यात्री शेड, आरसीसी पुल, सीसीटीवी कैमरे और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित करने की योजना है। विधायक ने यात्री शेड और सांसद ने पुल निर्माण में सहयोग का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम में सोहन, राजन, हरेराम, धनश्याम सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों ने इसे गांव की आस्था और सामूहिक एकता का प्रतीक बताया।

सीनियर मेंस ट्रॉफी: नालंदा की दमदार जीत, नवादा को 83 रन से हराया; कप्तान नमन गौरव का शानदार शतक

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। Bihar Cricket Association के घरेलू सत्र 2025-26 के तहत सीनियर मेंस ट्रॉफी (मगध जोन) का शुभारंभ Pawapuri स्थित एसएससीसी खेल मैदान में हुआ। उद्घाटन मुकाबला Nalanda और Nawada की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें नालंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नवादा को 83 रन से पराजित कर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की।

नालंदा की विस्फोटक बल्लेबाज़ी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नालंदा ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 341 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के कप्तान नमन गौरव ने बेहतरीन शतक लगाते हुए 110 रन बनाए और पारी की धुरी बने। उनके अलावा अंकित ने नाबाद 87 रन, कुश ने 49 रन तथा अर्णव किशोर ने 45 रन की उपयोगी पारी खेली।
नवादा की ओर से गेंदबाजी में सुंदर्शन ने 58 रन देकर 3 विकेट, आदर्श ने 59 रन पर 2 विकेट और अनुराग ने 52 रन देकर 2 विकेट लिए।

नवादा की कोशिश रही अधूरी

342 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवादा की शुरुआत खराब रही और शुरुआती झटकों से टीम दबाव में आ गई। हालांकि सुमन सौरव और आदर्श की साझेदारी ने टीम को संभालने की कोशिश की और स्कोर को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया।
नवादा ने 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 259 रन बनाए। सुमन सौरव ने 88 रन, विवेक ने 54 रन, आदर्श ने 43 रन और निशांत ने 21 रन का योगदान दिया।

गेंदबाजों ने दिलाई जीत

नालंदा की ओर से आदर्श और आदित्य ने 2-2 विकेट लिए, जबकि सुमन, नमन और मनीष ने 1-1 विकेट हासिल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

पुरस्कार व उपस्थिति

मैच में शानदार शतक और ऑलराउंड नेतृत्व के लिए नमन गौरव को मैन ऑफ द मैच चुना गया।
इस अवसर पर पूर्व सीनियर क्रिकेटर सह नालंदा जिला क्रिकेट संघ के पूर्व पदाधिकारी संजय कुमार उर्फ पिंटू दा, अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, सचिव गोपाल कुमार सिंह, पूर्व सचिव सैयद मोहम्मद जावेद इकबाल, कोषाध्यक्ष मनोरंजन कुमार, संयुक्त सचिव संजीव कुमार, नवादा सचिव मनीष राज, शेखपुरा के पूर्व सचिव गंगा यादव, बीसीए ऑब्जर्वर राजीव रंजन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
मैच में अंपायरिंग की जिम्मेदारी बीसीए पैनल अंपायर राजीव कुमार और नीरज कुमार ने निभाई।

स्वच्छता संदेश के साथ राजगीर के सूरजकुंड में चला विशेष सफाई अभियान

राजगीर (अपना नालंदा)। स्वच्छ जल-स्वच्छ कल के संदेश के साथ संत निरंकारी मिशन की राजगीर शाखा द्वारा ऐतिहासिक सूरजकुंड परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में मिशन के सेवादारों के साथ स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कुंड परिसर से कचरा हटाकर साफ-सफाई की।
कार्यक्रम के दौरान लोगों को स्वच्छता और जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। मुखी रामविलास प्रसाद ने कहा कि स्वच्छ जल और स्वच्छ मन मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यदि जल स्रोत स्वच्छ रहेंगे तो समाज स्वस्थ रहेगा और पर्यावरण संतुलित बना रहेगा। उन्होंने सभी से अपील की कि धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।
अभियान में सेवादल संचालिका अनिता कुमारी गुप्ता, संचालक भीम चौधरी, रमेश महाराज सहित कई स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया तथा प्लास्टिक और गंदगी न फैलाने का संदेश दिया।
आयोजकों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य सूरजकुंड को स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक बनाना है, ताकि यहां आने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग स्वच्छ वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे, जिससे समाज में स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता बनी रहे।

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

संविधान और आरक्षण पर सरकार को घेरा, रविदास जयंती समारोह में तेजस्वी का हमला

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। रविवार को रविदास चेतना मंच के तत्वावधान में संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती राज्यस्तरीय समारोह के रूप में मिलर हाई स्कूल मैदान में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने की, संचालन विधायक सूबेदार दास ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पूर्व विधायक राजेंद्र राम ने दिया। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने गुरु रविदास के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को सामाजिक समता का मार्गदर्शक बताया। दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि समाज में समानता, भाईचारा और न्याय की स्थापना के लिए संतों और महापुरुषों के आदर्शों को अपनाना आवश्यक है।

तेजस्वी यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं, इसलिए जनता को सजग रहना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने हमेशा सामाजिक न्याय की परंपरा को आगे बढ़ाया है और लालू प्रसाद यादव ने पुरखों के विचारों पर चलते हुए समाज को संगठित किया, जबकि भारतीय जनता पार्टी पर समाज में विभाजन फैलाने का आरोप लगाया।

आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार के समय कराई गई जातीय गणना के आधार पर 65 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था, लेकिन सरकार बदलने के बाद इसे कानूनी पेच में फंसा दिया गया। उनका आरोप था कि वर्तमान सरकार, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हैं, ने आरक्षण व्यवस्था को कमजोर किया है, जिससे हजारों युवाओं को नौकरी का लाभ नहीं मिल पा रहा है।तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी संत रविदास, कबीर, अंबेडकर, महात्मा गांधी, राममनोहर लोहिया, कर्पूरी ठाकुर, जगदेव प्रसाद और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महापुरुषों के विचारों को पाठ्यक्रम में शामिल कराने के लिए सदन से सड़क तक आवाज उठाएगी। उन्होंने कहा कि गरीबों, ठेला-खोमचा चलाने वालों और छोटे दुकानदारों के साथ अन्याय हो रहा है तथा राज्य में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए शिवचंद्र राम ने कहा कि गुरु रविदास के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाकर ही समाज में व्याप्त कुरीतियों और असमानता को समाप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शिक्षा, नशामुक्ति और अंधविश्वास उन्मूलन का सामूहिक संकल्प लिया। साथ ही पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम और कांशीराम को भारत रत्न देने तथा बिहार विधानसभा परिसर में अंबेडकर और रविदास की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी उठी।

कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न जिलों से आए हजारों लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने इसे सामाजिक जागरूकता और अधिकारों के प्रति एकजुटता का प्रतीक बताया।

सवर्ण न्याय महासम्मेलन में अधिकारों की मांग, सरकार से नीति में बदलाव कि अपील

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। विद्यापति भवन में अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा द्वारा सवर्ण न्याय महासम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें बिहार और झारखंड से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने कहा कि सवर्ण समाज को बराबरी के अधिकार और योजनाओं में समान भागीदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने यूजीसी से संबंधित प्रावधानों की समीक्षा, सवर्ण छात्रवृत्ति, छात्रावास, आयोग और विशेष बजट जैसी मांगों को सरकार के समक्ष प्रमुखता से रखा।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं की संरचना ऐसी है जिससे सवर्ण समाज को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की कि सभी वर्गों की तरह सवर्ण समाज के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भी अलग योजनाएं बनाई जाएं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी होने पर देशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा।सम्मेलन को संबोधित करते हुए अन्य पदाधिकारियों ने भी सवर्ण समाज के लिए नीतिगत सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज को न्याय, समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। कार्यक्रम में केंद्र और राज्य नेतृत्व, विशेषकर नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार से मांगों पर सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमरेश श्रीवास्तव ने की, जबकि संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक चौहान ने किया। अंत में अतिथियों को सम्मानित किया गया और आयोजकों ने इसे सामाजिक अधिकारों के लिए एकजुटता का मंच बताया।

डाक कर्मचारियों का होली मिलन समारोह संपन्न, भाईचारे और एकता का दिया संदेश

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ, ग्रुप–सी के तत्वावधान में आशियाना दीघा रोड स्थित आर.एस. कम्यूनिटी हॉल में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में India Post से जुड़े पटना प्रमंडल के विभिन्न डाकघरों के पोस्टमास्टरों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का माहौल पारंपरिक रंगोत्सव की उमंग और आपसी सौहार्द से सराबोर रहा।

कार्यक्रम के आयोजक एवं संघ के सचिव संतोष कुमार सिंह ने कहा कि संघ हर वर्ष इस तरह का आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य डाक विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को एक मंच पर लाकर आपसी संबंधों को मजबूत करना तथा भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि इस तरह केसांस्कृतिक कार्यक्रम कार्यस्थल के तनाव को कम करने के साथ-साथ संगठनात्मक एकता को भी मजबूत करते हैं।

समारोह में संघ के अध्यक्ष धर्मवीर कुमार, वरीय डाक अधीक्षक मनीष कुमार, रेल डाक सेवा के वरीय अधीक्षक राजदेव प्रसाद, नालंदा के डाक अधीक्षक कुंदन कुमार तथा वैशाली के डाक अधीक्षक राजीव कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। सर्कल संघ कार्यकारिणी की ओर से शंभू दयाल सिंह की उपस्थिति भी विशेष रही।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कर्मचारियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्सव का आनंद लिया। आयोजन ने यह संदेश दिया कि पारंपरिक पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने का माध्यम भी हैं।